भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 03 सितंबर, 2026
जारी करने का समय:1330 घंटे

विषय: (i) पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश और आस-पास के इलाके पर सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र के प्रभाव के तहत, 03-05 सितंबर के दौरान मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 03 सितंबर, 2026 को पूर्वी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की भी संभावना है।
(ii) अगले एक सप्ताह के दौरान प्रायद्वीपीय भारत में धीमी वर्षा गतिविधि जारी रहने की संभावना है।

आज, 03 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और असम में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- औसत समुद्र तल पर मॉनसून गर्त अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- कल उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में बना सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र आज, 3 सितंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे भी उसी इलाके में बना हुआ है। इसके अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तर मध्य प्रदेश से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- उत्तर-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे सौराष्ट्र के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में बने सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण तक, निचले और मध्य क्षोभ मंडलीय स्तरों के बीच एक गर्त बनी हुई है।
- मध्य क्षोभ मंडलीय स्तर में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ लगभग 75°E देशांतर के साथ 32°N अक्षांश के उत्तर की ओर बढ़ रहा है।
- निचले क्षोभ मंडलीय स्तर में उत्तर हरियाणा और उसके आस-पास के इलाकों के ऊपर एक अपर एयर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभ मंडलीय स्तर में दक्षिण-पश्चिम बांग्लादेश के ऊपर एक अपर एयर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभ मंडलीय स्तर में उत्तर-पूर्वी असम के ऊपर एक अपर एयर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 3 सितंबर और 5-9 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 6-9 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- 3-9 सितंबर के दौरान पंजाब में; 6-9 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 7-9 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 4-5 सितंबर और 9 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 3-6 सितंबर के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 3 सितंबर और 5-9 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 4 सितंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 3-5 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 3-9 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 3-5 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 3-6 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 3 सितंबर और 6-8 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 4 सितंबर को पूर्वी राजस्थान में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 3-9 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में; 3 सितंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 4 सितंबर को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 3-5 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में; 3-9 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में; 4-7 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 3 सितंबर और 6-8 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 3 सितंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- 3-7 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 3-8 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 3-5 सितंबर और 9 सितंबर को विदर्भ में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 3 सितंबर और 8-9 सितंबर के दौरान।
- 8-9 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 9 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश; 6-8 सितंबर के दौरान विदर्भ; 4-7 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 3-7 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश; 3-4 सितंबर के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 6 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 3 सितंबर और 6-8 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 3 सितंबर को छत्तीसगढ़ और विदर्भ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 3-5 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 3-5 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 3 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 3-9 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 3-5 सितंबर और 7-9 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 8-9 सितंबर के दौरान झारखंड; 4-5 सितंबर और 9 सितंबर को बिहार में काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- 6 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 3-7 सितंबर के दौरान झारखंड; 3 सितंबर और 6-8 सितंबर के दौरान बिहार; 3-9 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 3-9 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार और झारखंड; 3-5 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- 3-5 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 3-8 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 3-5 सितंबर और 8-9 सितंबर के दौरान; झारखंड में 5 सितंबर और 8-9 सितंबर के दौरान; बिहार में 3-6 सितंबर और 8-9 सितंबर के दौरान; ओडिशा में 9 सितंबर को।
- 3 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में मध्यम से लेकर ज़बरदस्त बिजली कड़कने की संभावना।

पूर्वोत्तर भारत:

- अरुणाचल प्रदेश में 3-4 सितंबर और 9 सितंबर को; असम और मेघालय में 5 सितंबर और 9 सितंबर को कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 5-8 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय में 3-4 सितंबर और 6-8 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3-9 सितंबर के दौरान काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 5-7 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3-7 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 4-9 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 3-9 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 3 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- कोंकण और गोवा में 3-9 सितंबर के दौरान काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में 3-9 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- मध्य महाराष्ट्र में 3-4 सितंबर के दौरान; मराठवाड़ा में 3 सितंबर को कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में 3-9 सितंबर के दौरान; लक्षद्वीप में 4-7 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- लक्षद्वीप में 3 सितंबर और 8-9 सितंबर के दौरान; तटीय कर्नाटक में 3-9 सितंबर के दौरान काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 3-4 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने (रफ़्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में 3-5 सितंबर के दौरान; उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक में 5-7 सितंबर के दौरान; दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में 3-7 सितंबर के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में 6-7 सितंबर के दौरान; तेलंगाना में 3-4 सितंबर के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, अंदरूनी कर्नाटक और रायलसीमा में 2-6 सितंबर के दौरान; तेलंगाना में 2 और 3 सितंबर को ज़मीन की सतह पर तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- अरब सागर: सोमालिया तट के पास और उससे दूर, पश्चिमी-मध्य और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 7 सितंबर तक; ओमान तट के कुछ हिस्सों के पास और उससे दूर 6 सितंबर को।
- बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु तट से दूर मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे इलाकों में और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में जो दक्षिण श्रीलंका तट से सटे हैं, 3 सितंबर को।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- पूर्वी मध्य प्रदेश: राजनगर (छतरपुर) 20
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: ललितपुर (ललितपुर) 17
- पंजाब: कोटला (जिला रूपनगर) 15
- हिमाचल प्रदेश: नैना देवी 13
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: अतर्रा (बांदा) 10
- बिहार: पूर्णिया 10
- छत्तीसगढ़: कोरिया 10
- असम: सिलचर 9
- गंगीय पश्चिम बंगाल: मंगलकोट 8
- उत्तराखंड:नैनीताल 8
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: भाईंदर (दतिया) 8
- मध्य महाराष्ट्र: गगनबावड़ा (कोल्हापुर) 7|

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	3- Sep	4- Sep	5- Sep	6- Sep	7- Sep	8- Sep	9- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
8	JHARKHAND	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	SCT	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

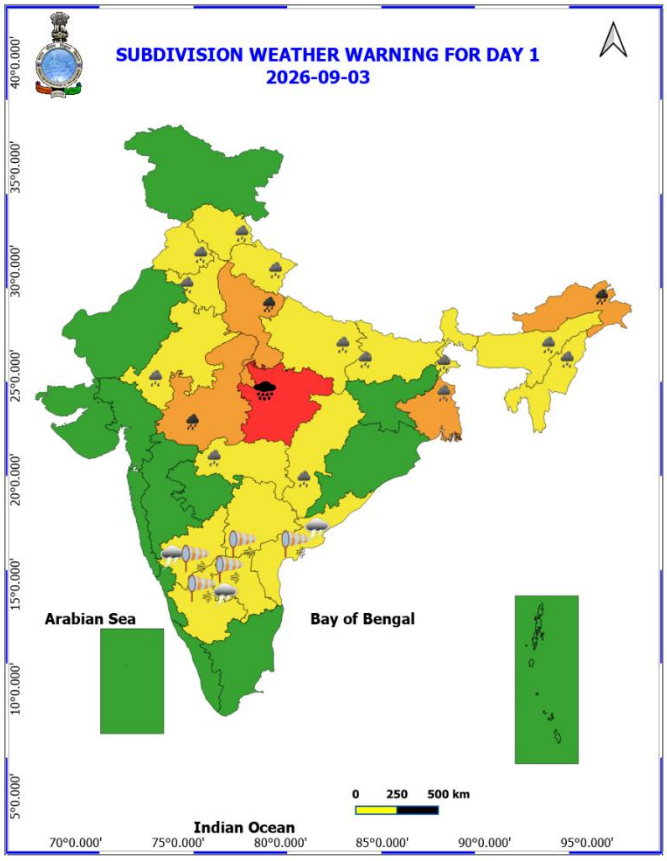
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-09-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

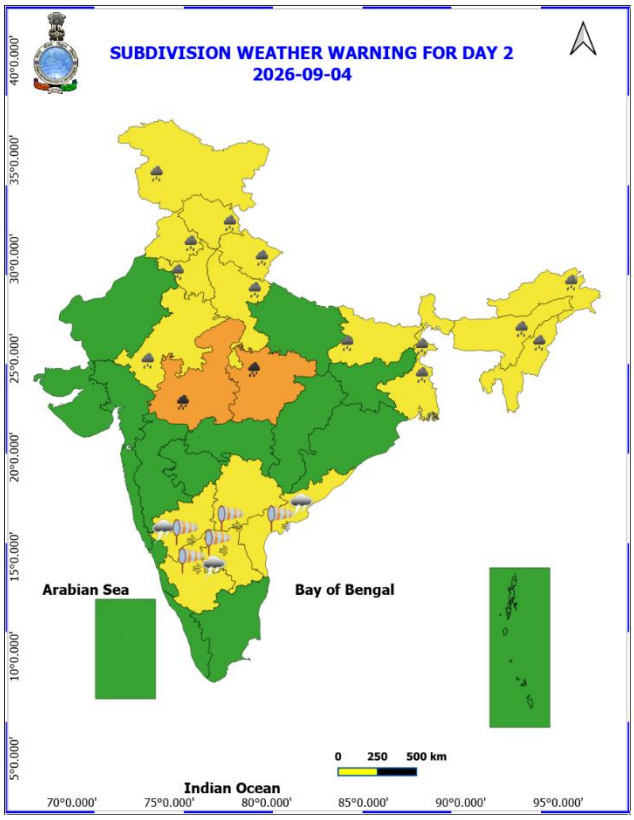
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-09-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

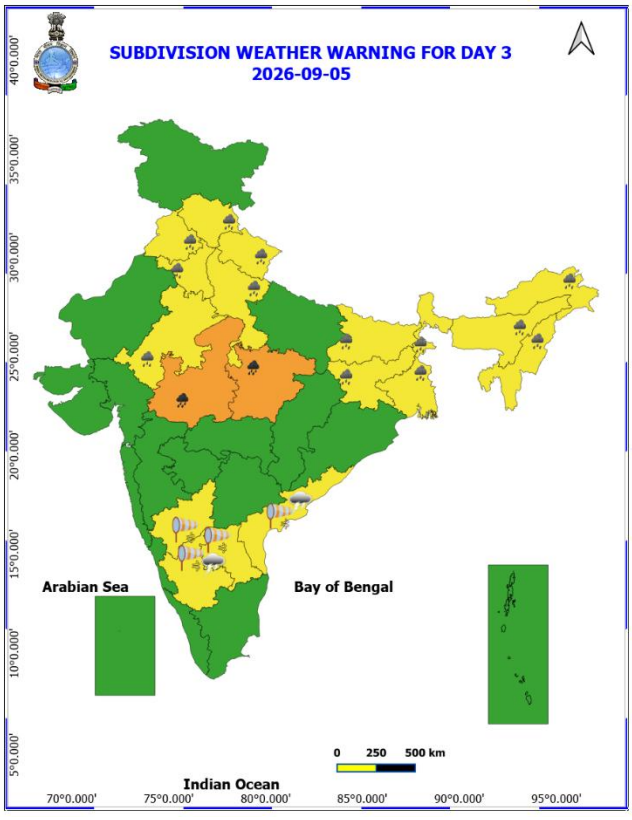
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-09-05
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
40°0.000'
35°0.000'
30°0.000'
25°0.000'
20°0.000'
15°0.000'
10°0.000'
5°0.000'
70°0.000'
75°0.000'
80°0.000'
85°0.000'
90°0.000'
95°0.000'

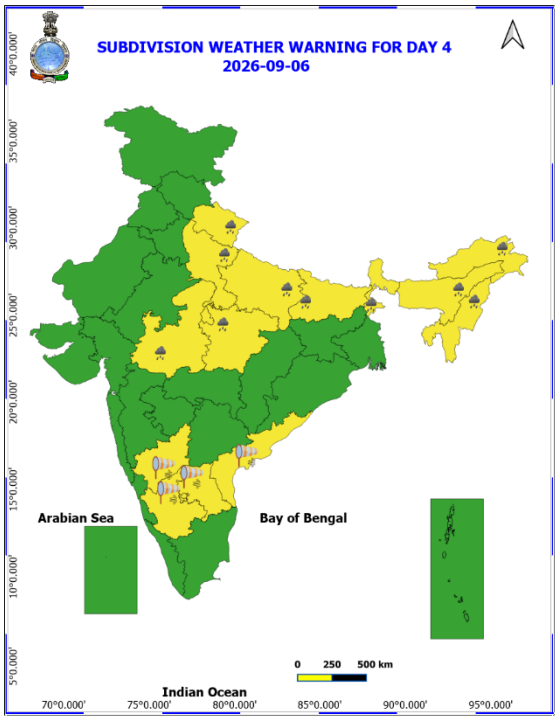

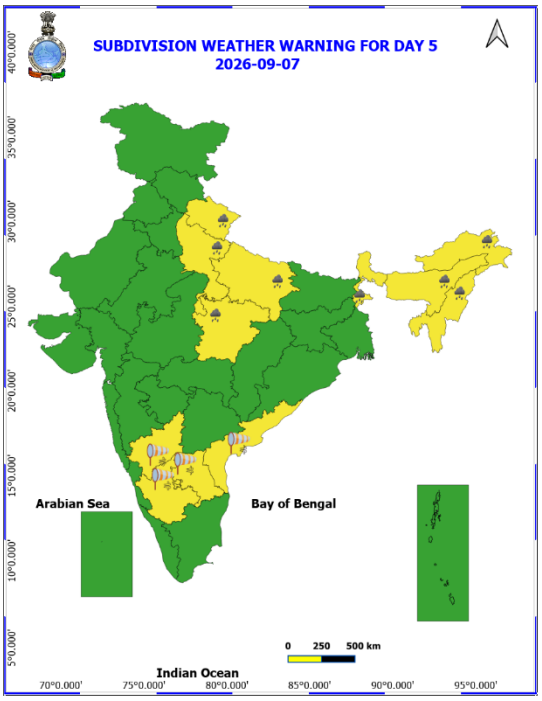

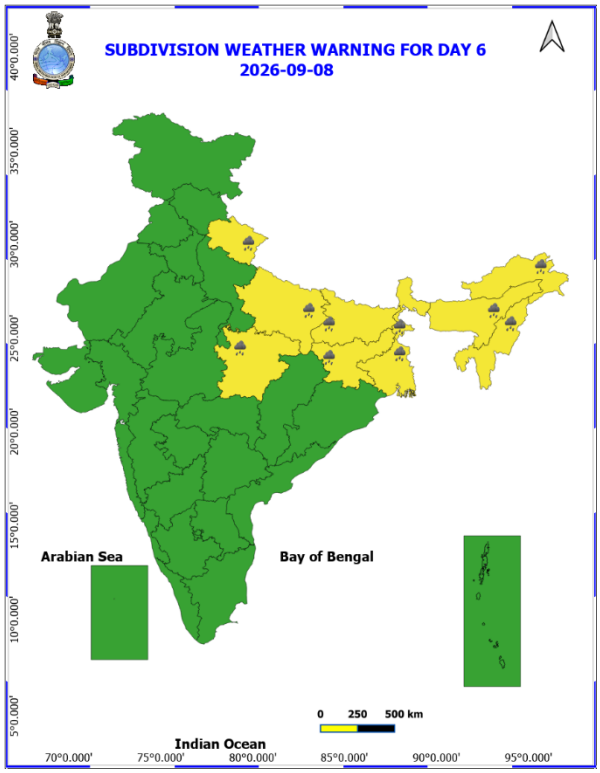

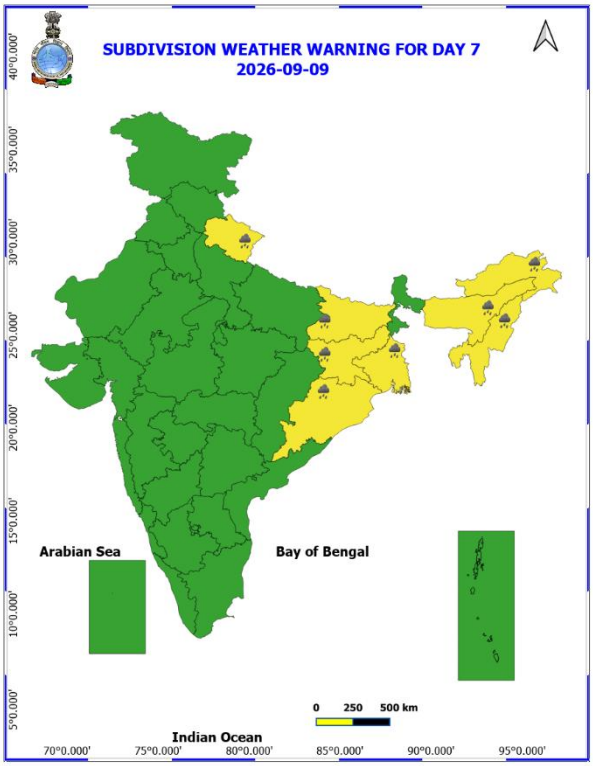

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

03 सितंबर से 06 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 3-5°C की गिरावट आई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 29-33°C और न्यूनतम तापमान 23-27°C के बीच रहा। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1 या उससे कम), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-3.1 से -5.0) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे या आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति 15-20 किमी प्रति घंटा रही, जो पूर्व दिशा से चल रही थी। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की घटनाएँ हुईं। आज सुबह के समय इस इलाके में आम तौर पर बादल छाए रहने और उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटा तक की गति से हवा चलने के साथ-साथ कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

03.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर या शाम के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान या बिजली कड़कने की संभावना है। रात के समय फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32-34°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर/शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

04.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की एक-दो बार बौछारें पड़ सकती हैं, और कुछ जगहों पर गरज-चमक/बिजली के साथ मध्यम बारिश हो सकती है। रात के समय भी कुछ जगहों पर गरज-चमक/बिजली के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह/दोपहर के समय 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

05.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से लेकर दोपहर से पहले तक कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ गरज और बिजली चमकने की संभावना है। दोपहर से शाम के समय कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली चमकने का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह से शाम और रात तक 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है।

06.09.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली ज़मीनी हवा की रफ़्तार कम होकर 10 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार बढ़कर 15 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 3 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है।
- 3 से 5 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 4 व 5 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है।
- 3 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में मध्यम से लेकर ज़बरदस्त बिजली कड़कने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी, सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों और फलों के बागों में अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। बाजरा/रागी के खेतों में बालियां निकलने और फूल आने के समय जल निकासी अच्छी रखें और फसलों में कीटों और बीमारियों की निगरानी करें।
- असम और मेघालय में, खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और बारिश के दौरान खाद और पौधों की सुरक्षा के लिए दवाएं डालने का काम टाल दें। अरहर, मूंग और तिल की बुवाई वहीं जारी रखें जहां खेत की स्थिति उपयुक्त हो और जूट की कटाई छोटी फलियों की अवस्था में करें।
- नागालैंड में, धान के गीले खेतों में पानी का स्तर 3-5 सेमी बनाए रखें और मौसम ठीक होने पर मक्के की पकी हुई भुट्टियों की कटाई करें।
- मणिपुर में, बारिश न होने पर अरबी और पके हुए अदरक की कटाई करें और अदरक के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- मिजोरम में, मक्के की कटाई के बाद उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिल और मसूर की बुवाई के लिए खेत तैयार करें। अदरक के खेतों में जल निकासी सुनिश्चित करें और पानी जमा न होने दें ताकि सॉफ्ट-रॉट और राइजोम-रॉट (सड़न रोग) का खतरा कम हो।

- त्रिपुरा में, 'औस' धान में बालियां निकलने और बूटिंग (गांठ बनने) के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें, साथ ही मूंगफली के निचले खेतों में जल निकासी सुनिश्चित करें ताकि पानी जमा न हो।
- बिहार में, खड़ी फसलों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और बहुत गीले खेतों में कोई काम न करें। रोपाई वाले धान में पानी जमा रखें लेकिन लंबे समय तक पानी न रुकने दें।
- पश्चिम बंगाल में, धान, सब्जियों के खेतों, बागों और नर्सरियों में जल निकासी के रास्ते साफ रखें। सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं, कद्दू-वर्गीय सब्जियों के आसपास जल निकासी बेहतर करें और गीले मौसम में नाइट्रोजन का इस्तेमाल न करें।
- हिमाचल प्रदेश में, अदरक और हल्दी के खेतों में जल निकासी के रास्ते साफ और चालू रखें और मक्के के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी तुरंत निकालें। जहां खेत की स्थिति ठीक हो, वहां खीरा, लौकी, करेला, चिचिंडा, तोरई और नेनुआ जैसी पकी हुई सब्जियों की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- पंजाब और हरियाणा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और निचले इलाकों से अतिरिक्त बारिश का पानी तुरंत निकालें।
- उत्तराखंड में, जहां बारिश पर्याप्त हो वहां धान में सिंचाई न करें और गन्ना व मक्के के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। जल निकासी के रास्ते साफ रखें और लंबी फसलों व सब्जियों को सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।
- उत्तर प्रदेश में, खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी सुनिश्चित करें और गीले मौसम में सिंचाई, खेत की देखभाल के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा के लिए दवाएं डालने का काम टाल दें। छोटे पौधों, सब्ज़ियों और बागवानी वाली फ़सलों को सहारा दें।
- पूर्वी राजस्थान में, खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। बारिश के दौरान कीटनाशकों का छिड़काव न करें। टमाटर, मिर्च और बैंगन के पके और बाज़ार में बिकने लायक फलों की नियमित रूप से तुड़ाई करें और खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। बाजरा में डाउनी मिल्ड्यू और ब्लास्ट बीमारी को रोकने के लिए, खासकर बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में, मैंकोज़ेब (0.2%) या मेटालेक्सिल का छिड़काव करें।
- मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें; सब्ज़ियों की रोपाई टाल दें और फलों के छोटे पौधों को सहारा दें। गन्ने को गिरने से बचाने के लिए उसे सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स), दालों और सब्ज़ियों के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए लगातार और असरदार पानी की निकासी सुनिश्चित करें। निचले इलाकों में मक्का, अदरक, हल्दी और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ करें और कद्दू-वर्गीय सब्ज़ियों, टमाटर और शिमला मिर्च को सहारा दें।
- विदर्भ में, सोयाबीन, कपास, मक्का और दूसरी खड़ी फ़सलों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और अतिरिक्त बारिश के पानी को तुरंत निकाल दें। जब तक मिट्टी काम करने लायक न हो जाए, तब तक खाद डालने, फ़सल की सुरक्षा और खेती से जुड़े दूसरे कामों को टाल दें और सब्ज़ियों के छोटे पौधों व गिरने के ख़तरे वाली दूसरी फ़सलों को सहारा दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्ज़ियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।

- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक आने वाली बाढ़ के बारे में जानकारी

04-09-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश: चित्रकूट, बांदा, फ़तेहपुर, कौशांबी, प्रयागराज, भदोही, मिर्ज़ापुर और वाराणसी जिले

पश्चिमी उत्तर प्रदेश: हमीरपुर, ललितपुर, महोबा और झाँसी जिले

पूर्वी मध्य प्रदेश: दमोह, छतरपुर, मैहर, मऊगंज, नरसिंहपुर, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, सिवनी, छिंदवाड़ा और टीकमगढ़ जिले

पश्चिम मध्य प्रदेश: अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर और बैतूल जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।

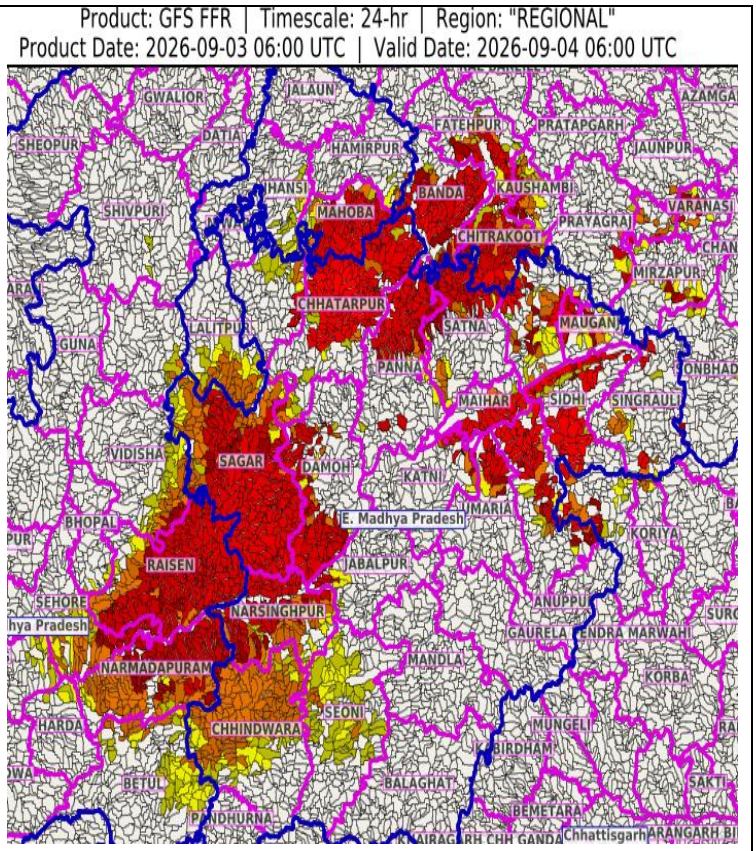

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

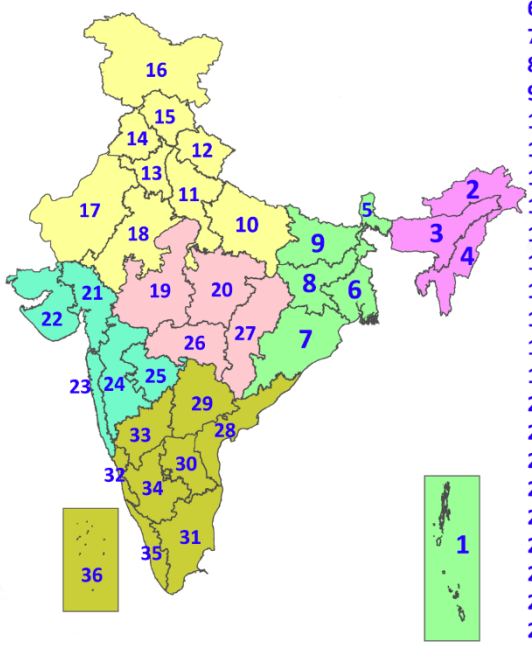

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

- **Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm *
- **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm*
- **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

- **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C.
- **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C

(b). Based on Actual maximum temperature

- **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C.
- **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

- **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C.
- **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.

Cold Wave

When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.

(a). Based on departure

- **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C.
- **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

- **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C
- **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C

Cold Day

When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions

Based on departure

- **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C.
- **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km

- **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres
- **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres
- **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

- Air temperature ≤4°C (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

- **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph
- **Severe**: Wind speed 62-87 kmph
- **Very Severe**: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

- **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
- **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
- **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

- **Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
- **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
- **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)
- **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
- **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)